एनी ओकली ने दिन बनाया

अन्ना

एनी ओकली ने दिन बनाया

अन्ना

एनी और जॉन मोसे खलिहान
में से बाहर भागे.

"जल्दी करो, जॉन! पिताजी चक्की पर जाने के लिए अपनी वैगन लोड कर रहे हैं," एनी चिल्लाई.

"वो पूरे दिन के लिए जाएंगे," जॉन ने कहा.

"हम उनसे अलविदा कहने के लिए सही समय पर पहुंचे हैं."

"शहर में मैं सर्दियों के लिए हम सबके लिए भोजन खरीदूंगा," पिताजी ने कहा.

"क्या आप हमारे लिए कोई उपहार भी लाएंगे, पिताजी?" जॉन से पूछा.

“तुम्हें उसके लिए रुकना पड़ेगा और उसका इंतज़ार करना पड़ेगा, बेटा. मैं रात को खाने के समय तक घर लौट आऊंगा."

"हम आज चिड़ियों को फंसाने के लिए एक फंदा बनायेंगे," एनी ने कहा. "फिर हम कल तड़के उसकी जाँच करेंगे."
पिताजी ने घोड़ों से कहा, "चलो अब दौड़ो!"
जैसे ही पिताजी गए, वैसे ही एनी और जॉन ने मां और छोटे शिशु से मुर्गी के दबड़े के पास मुलाकात की.

"आज लगता है बर्फ गिरेगी," माँ ने कहा. "मैं तुम्हारे पिताजी के बारे में ज़रा चिंतित हूं."
"वो सुरक्षित रूप से घर वापिस लौट आएंगे," एनी ने कहा. "वो हमेशा ही वैसा करते हैं."

उस दोपहर को एनी और जॉन ने अपना फंदा तैयार किया. "पिताजी फंदे के लिए मक्के की डंठल, डोर, मक्के के दाने और एक छड़ी का उपयोग करते हैं," एनी ने कहा.

"मुझे वो बनाकर दिखाओ," जॉन ने कहा.

एनी ने मक्का के डंठल को टुकड़ों में तोड़कर जमीन पर उनका ढेर बनाया. फंदा ऊंचा होता गया. वो एक "लॉग हाउस" की तरह लगने लगा.
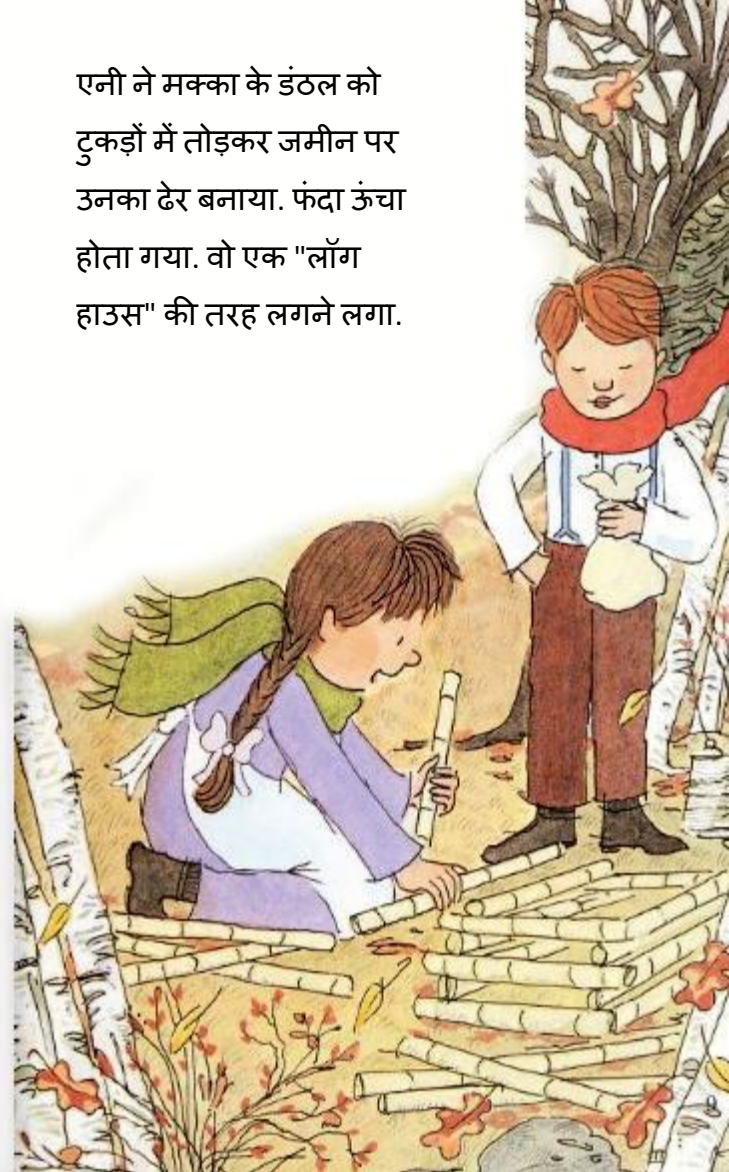
"पिताजी फंदे को मजबूत बनाने के लिए उसके कोनों को कसकर बांधते हैं," उसने कहा. "फिर वो उसमें एक छत जोड़ते हैं ताकि पक्षी बाहर न निकल पाए."

"पर पक्षी उसमें अंदर कैसे जाता है?" जॉन ने पूछा.

एनी ने छड़ी उठाई. उसने फंदे तक एक रास्ता खोदा. " पिताजी रास्ते में मक्का बिखेरते थे," उसने कहा. "छड़ी फंदे को पकड़कर रखती है. जब पक्षी मक्का खाने को अंदर जाता है, तो उससे छड़ी नीचे गिर जाती है और पक्षी जाल के अंदर फंस जाता है."
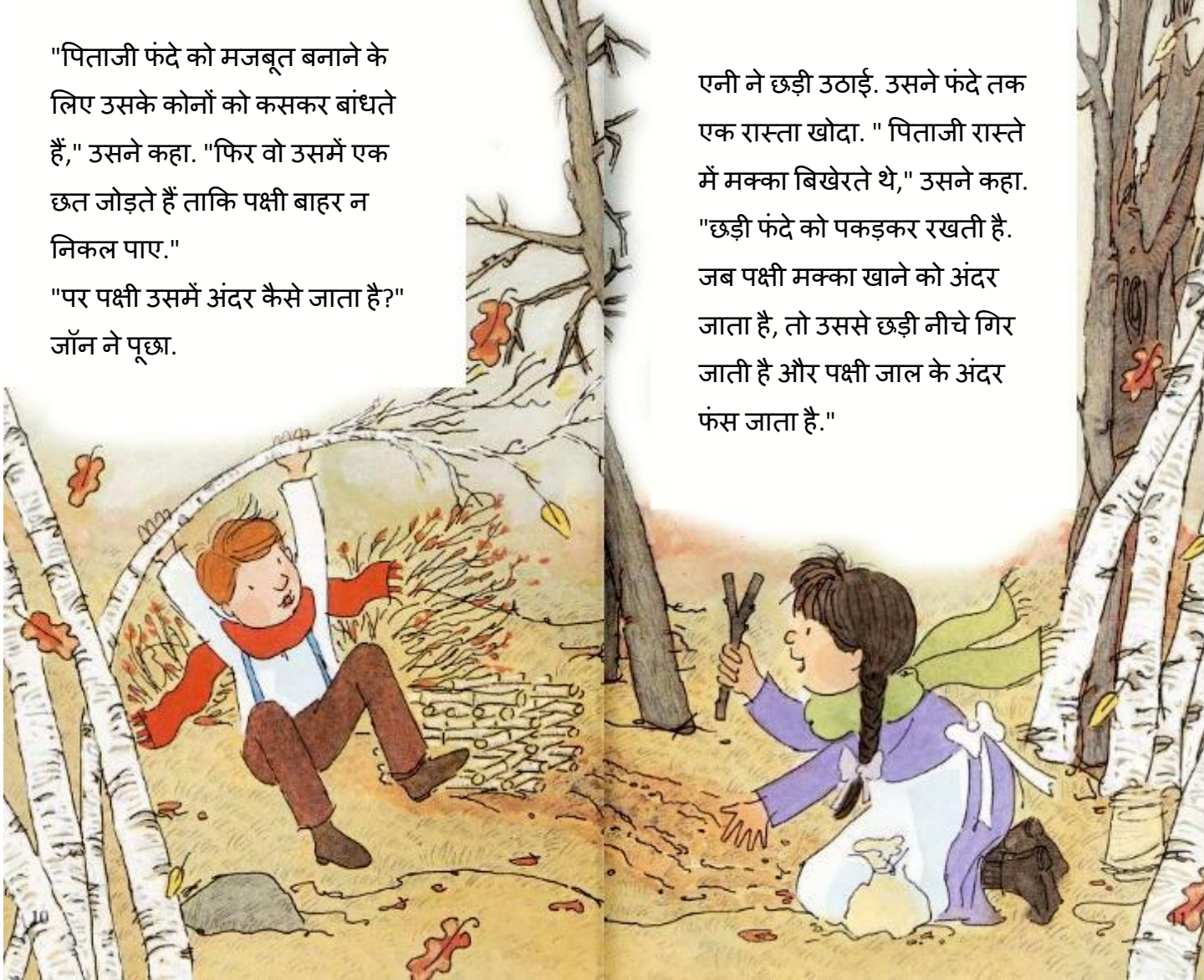
जॉन ने मक्का के दानों को बिखराया. "जल्दी करो, एनी, बाहर तेज़ ठंड पड़ रही है," उसने कहा. "चलो घर चलें."

"जाने से पहले हमें अपने फंदे को छुपाकर जाएंगे," उसने कहा.

उन्होंने अपने फंदे को पत्तियों से ढंका और फिर वो घर की तरफ गए.

"जब सुबह फंदे में एक मोटा पक्षी मिलेगा तो पिताजी आश्चर्यचकित रह जायेंगे," एनी ने कहा.

"पर मैं आज रात रात के खाने के लिए एक मोटे पक्षी का शिकार करना चाहता हूं," जॉन ने कहा.

तभी एक तेज़ हवा का झोंका आया.

जॉन ने एनी के हाथ को देखा.

चारों ओर तेज़ हिमपात होने लगा.

"क्या पिताजी जल्द ही घर आ जाएंगे,

एनी?" जॉन ने पूछा.

"अंधेरा हो रहा है," "वो जल्द ही आएंगे,"

वो फुसफुसाई.
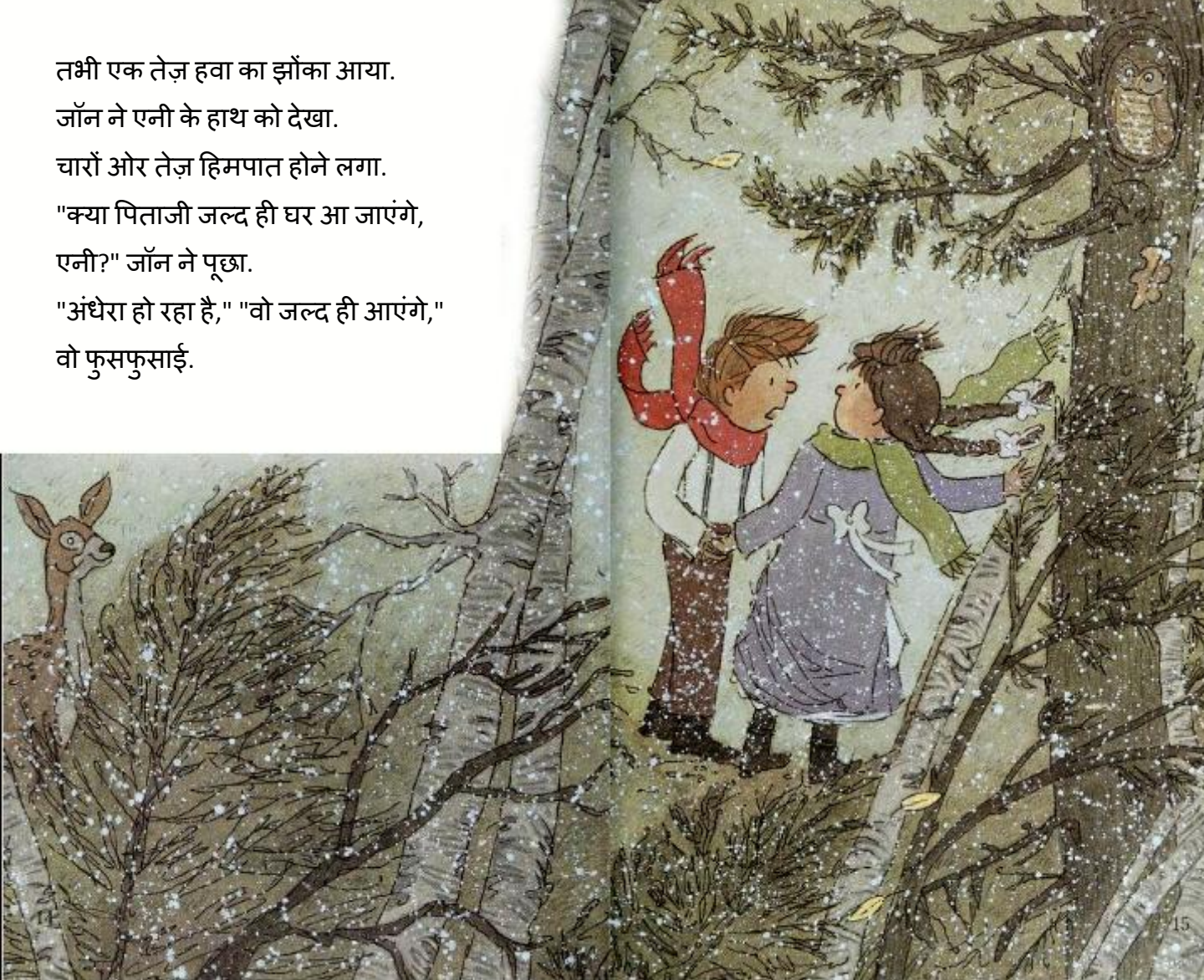
उस रात परिवार ने रात के खाने में सूप खाया.

तूफ़ान! तेज़ हवा ने खिड़कियों को हिला दिया. दुर्घटना! एक पेड़ की शाख गिर गई! जॉन अपनी कुर्सी पर कूदा.

"माँ, मुझे डर लग रहा है!" वो रोया.

"यह एक बर्फ़ीला तूफ़ान है," माँ ने कहा. लेकिन हम घर में एक साथ सुरक्षित हैं."

फिर अलाव की आखिरी लकड़ी भी जलकर राख हो गई.

"एनी," माँ ने कहा, "मुझे पीछे कोठरी से और लकड़ियां लाने में तुम्हारी मदद की जरूरत होगी."

हवा ने उसे ज़ोर से आगे-पीछे धकेला. एनी फिसलकर जलाऊ लकड़ी के ढेर पर जाकर गिरी.

माँ ने रस्सी का एक छोर बरामदे के खम्बे से बाँधा, और दूसरा छोर एनी की कमर के चारों ओर. एनी ने कसकर रस्सी पकड़ी.

फिर माँ ने आग में और लकड़ी डालीं.
उसके बाद बच्चे सोने के लिए लेटे.
एनी ने कहा, "चलो, हम सब मिलकर
इस लंबी, बर्फीली रात में पिताजी के
लिए प्रार्थना करें."
एनी आँख बंद करके तूफ़ान को सुनती
रही.
तभी एनी को घोड़ों की चाप सुनाई दी.
"पिताजी घर पहुँच गए!" वो रोई.

कुछ देर में एनी को बर्फ की तेज़ बौछार के
कारण केबिन भी नहीं दिख रहा था. उसकी
उंगलियाँ सुन्न हो गई थीं, और उसका चेहरा
अकड़ गया था. लेकिन वो फिर भी रस्सी को
कसकर पकड़े रही और अंत में लकड़ियां
लेकर घर में घुसी.
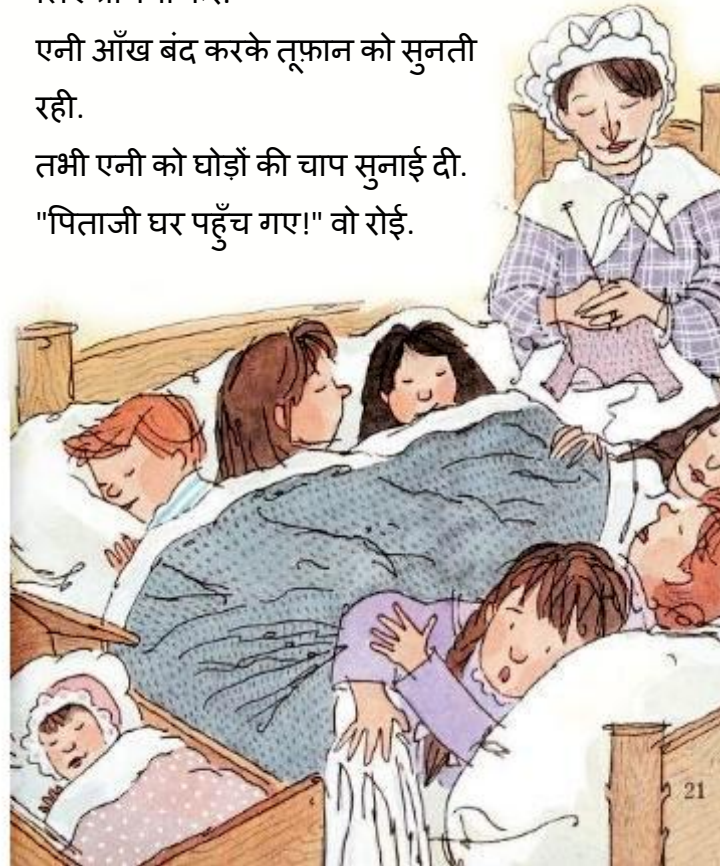
माँ ने दरवाजा खोलकर रखा. पिता ने घोड़ागाड़ी में बैठकर अपनी कलाई में घोड़ों की लगाम को बाँधा लिया था. वो न तो बोले रहे थे और न ही उनका हाथ हिल रहा था.

"पिता ठंड में एकदम जमे हुए लग रहे हैं!" एनी ने रोते हुए कहा.
"घोड़ों ने खुद घर का रास्ता ढूँढा होगा."

फिर सब लोग मिलकर पिताजी को अंदर लाए.

एनी ने उनका गीला कोट उठाया.

पिताजी की जेब से एक थैली गिरी.

"पिताजी, आपको याद रहा," जॉन ने कहा.

"पेपरमिंटस! धन्यवाद."

पिताजी ठंड से कांप रहे थे.
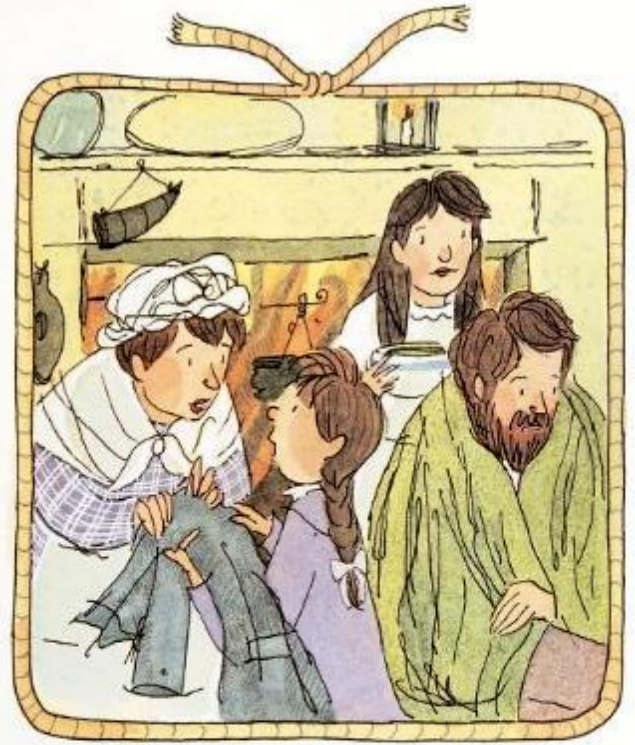
"क्या वो ठीक हो जायेंगे?" एनी ने फुसफुसाया.

"मुझे पूरी आशा है," माँ ने कहा.

अगली सुबह एनी और जॉन, सोते हुए पिताजी को देखने गए.

"हमारे फंदे में फंसा पक्षी आज पिताजी को खुश कर देगा," जॉन ने कहा. "वो कुछ बेहतर महसूस करेंगे!"

"चुप!" एनी फुसफुसाई. "पिता को आराम करना चाहिए. इससे पहले कि हम उन्हें जगा दें हमें यहाँ से बाहर निकल जाना चाहिए."

जंगल में जाकर उन्होंने फंदे के ऊपर
से बर्फ और पत्तियों को हटाया.
"मैं उसे सुन सकती हूँ!" एनी ने कहा.
"ज़रा तुम भी सुनो."
"यह एनी क्या है, एनी?" जॉन फंदे
के पास झुका.
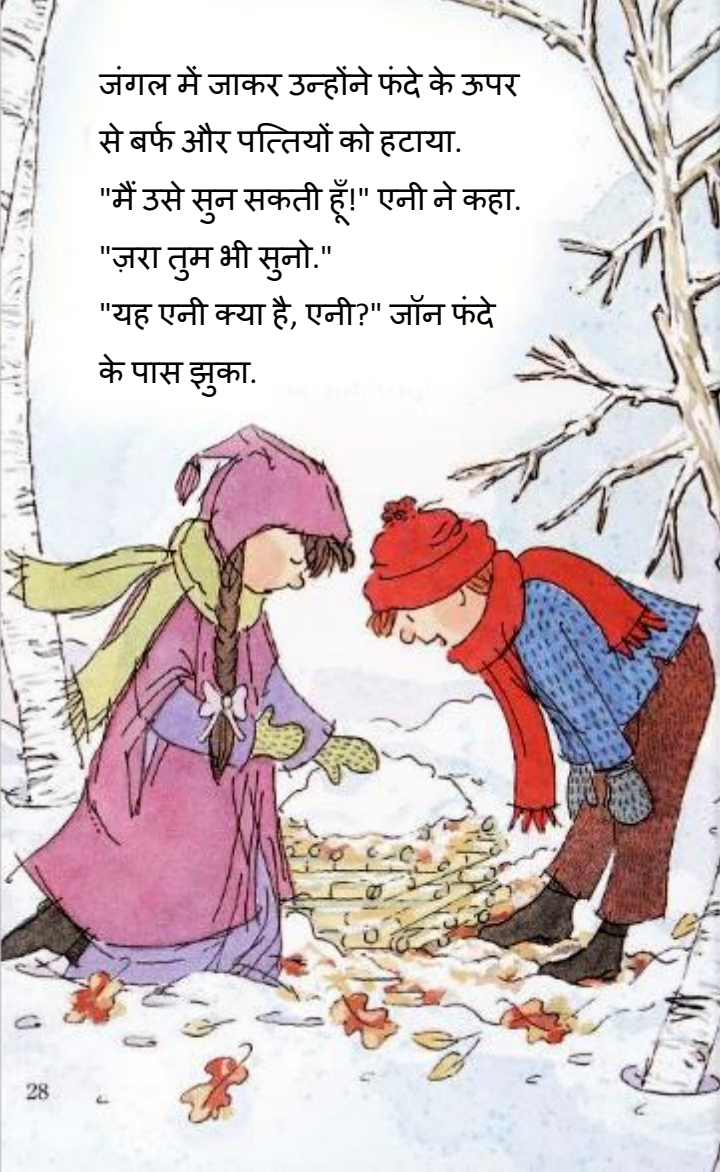
"अरे! अरे!" एक हलकी आवाज ने गाया.
"यह तो मौली, हमारी मुर्गी है!" जॉन ने कहा.
"अरे यह मौली नहीं है," एनी हँसी.
"यह एक बटेर है!" एनी ने पक्षी को पकड़
लिया.
"पिताजी को इसे देखकर गर्व होगा!" जॉन ने
कहा.

एनी ने अपने दुपट्टे में बटेर को लपेट लिया.
"जब तक पिता ठीक न हो जाएँ, तब तक
हम दोनों ही पक्षी पकड़ने के फंदे लगाएंगे
और परिवार को खिलाने में मदद करेंगे,"
उसने कहा.
"यह काम हम आसानी से कर सकते हैं!"
जॉन ने कहा.
"हम ज़रूर करेंगे!" एनी ने कहा.
और उन्होंने यह काम किया भी.
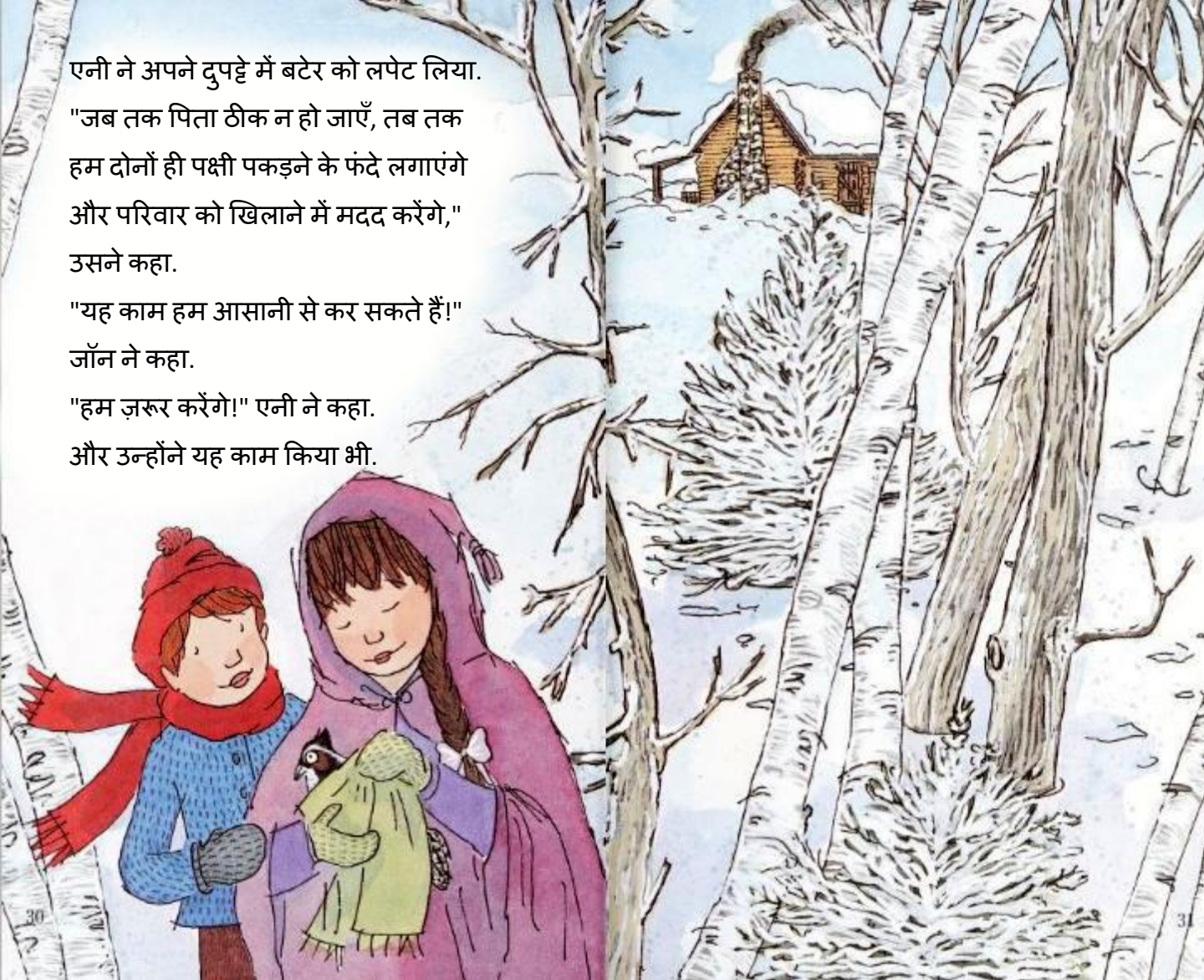
एनी, जिसे बाद में एनी ओकली के रूप में जाना गया, ने अपने परिवार को कठिनाइयों से बचाने के लिए पक्षियों को फँसाया और उनका शिकार किया.

उनके जीवन का समय-रेखा :

l860 फीबी एनी मोसे, का जन्म 13 अगस्त कोडार्के काउंटी, ओहियो में हुआ.

1866 में जैकब मोसे, एनी के पिता, लगभग जमे हुए घर आए. 11 फरवरी को उनकी निमोनिया से मृत्यु हुई.

1868 एनी ने पहली बार बंदूक से गोली चलाई.

1875 में फ्रैंक बटलर से मुलाक़ात हुई और थैंक्सगिविंग वाले दिन एनी ने एक शूटिंग मैच में फ्रैंक को हरा दिया.

1876 23 अगस्त को फ्रैंक बटलर से उनकी शादी हुई.

1882 सबसे पहले अपने पति के साथ एक ट्रिक-शूटिंग मैच में स्टेज पर उन्होंने "एनी ओकली" नाम का उपयोग किया.

1885 बफ़ेलो बिल के "वाइल्ड वेस्ट शो" में शामिल हुईं.

1887 में इंग्लैंड में, "वाइल्ड वेस्ट शो" में बफ़ेलो बिल के साथ रानी विक्टोरिया के लिए प्रदर्शन किया.

1901 उत्तरी कैरोलिना में एक ट्रेन दुर्घटना में घायल: बफ़ेलो बिल के "वाइल्ड वेस्ट शो" को छोड़ा.

1908 सुसान मोसे शॉ - एनी की माँ का देहांत.

1911 यंग बफ़ेलो शो में फिर से शामिल हुईं.

1913 यंग बफ़ेलो शो में एक स्टार के रूप में अपना आखिरी शो दिया और फिर प्रदर्शन से हमेशा के लिए रिटायर हुईं.

1926 3 नवंबर को परिवार के खेत के पास मृत्यु.

उनके पति की मृत्यु मिशिगन में उसके केवल 18 दिन बाद हुई.